PAGE NO.:
DATE: / /

पाठ: 4 दिन: शनिवार

नाना साहब की दिनांक: 6 जून, 2020
पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया

शब्दार्थ :-

1.	दुर्दान्त	बेकाबू
2.	अल्पवयस	कम उम्र
3.	भग्नावशिष्ट	खंडहर
4.	विध्वंश	तबाह करना
5.	विद्रोही	विद्रोह करने वाला
6.	आर्त्त	चित्तकार
7.	इतिहासवेत्ता	इतिहास का जानकार

प्र०/उ० :-

1. बालिका मैना ने सेनापति 'हे' को कौन-कौन से तर्क देकर महल की रक्षा के लिए प्रेरित किया?

उ०- बालिका मैना ने महल की रक्षा के लिए निम्नलिखित तर्क दिए :-

1. उन्होंने तर्क दिया कि महल को गिराने से सेनापति की किसी उद्देश्य की पूर्ति न हो सकेगी।
2. उन्होंने अंग्रेज़ों के विरुद्ध शस्त्र उठाने वालों को दोषी बताया और कहा कि इस जड़ पदार्थ मकान ने

PAGE NO.:
DATE: / /

कोई अपराध नहीं किया है।
उ. अंत में मैना ने सेनापति 'हे' को अपना परिचय देकर बताया कि उन्हें उनकी पुत्री मेरी की सहेली की रक्षा करनी ही चाहिए।

प्र. मैना जड़ पदार्थ मकान को बचाना चाहती थी पर अंग्रेज़ उसे नष्ट करना चाहते थे। क्यों?
उ०- मैना उसी मकान में पली-बढ़ी थी। उसी में उसकी बचपन की, पिता की, परिवार की यादें समाई हुई थीं। इसलिए वह जड़ मकान उसके लिए पूरी ज़िंदगी के समान था। वह उसके जीवन का भी सहारा हो सकता था। इसलिए वह उसे बचाना चाहती थी।
अंग्रेज़ों के लिए वह राजमहल उनके दुश्मन नाना साहब की निशानी थी। वे उनकी हर निशानी को मिट्टी में मिला देना चाहते थे, ताकि देश में फिर से कोई अंग्रेज़ों के विरुद्ध आवाज़ न उठाए।

प्र. सर टामस 'हे' के मैना पर दया-भाव के क्या कारण थे?
उ०- मैना का करुणमयी मुख और उसकी अल्पायु देखकर सेनापति 'हे' को उस पर दया आई। वह उसकी पुत्री 'मेरी' की सहेली भी थी।

PAGE NO.:
DATE: / /

४. मैना की अंतिम इच्छा थी कि वह उस प्रसाद के ढेर पर बैठकर जी भरकर रो ले लेकिन पाषाण हृदय वाले जनरल ने किस भय से उसकी इच्छा पूर्ण न होने दी ?

उ०- मैना महल के ढेर पर बैठकर जी भर कर रो लेना चाहती थी, पर पाषाण-हृदय ~~जन~~ जनरल आउटरम ने उसकी यह इच्छा पूरी न होने दी, जनरल आउटरम के मन में भय रहा होगा कि अगर उसने नाना साहब की बेटी के प्रति ज़रा भी सहानुभूति दिखाई तो ब्रिटिश सरकार का गुस्सा उस पर फूट पड़ेगा, उसे इसकेलिए दंड भी मिलता, क्रोध से पागल सामान्य, अंग्रेज़ नागरिक भी उस पर नाराज़गी प्रकट करेंगे, इस कारण उसने मैना की यह छोटी-सी इच्छा भी पूरी न होने दी।

५. बालिका मैना के चरित्र की कौन-कौन सी विशेषताएँ आप अपनाना चाहेंगे और क्यों ?

उ०- बालिका मैना के चरित्र की निम्नलिखित विशेषताएँ हम अपनाना चाहेंगे :-

१. देश और पैतृक धरोहर के प्रति प्रेम।
२. साहस तथा वाक् चतुरता।
३. निर्भयता।
४. भावुकता व तर्कशीलता।

PAGE NO.:
DATE: / /

6. 'टाइम्स' पत्र ने 6 सितंबर को लिखा था - 'बड़े दुख का विषय है कि भारत सरकार आज तक उस दुर्दांत नाना साहब को नहीं पकड़ सकी' इस वाक्य में 'भारत सरकार' से क्या आशय है।

उ०- यहाँ भारत सरकार से आशय है - ब्रिटिश शासन के अंतर्गत चलने वाली भारत सरकार जिसे अंग्रेज़ अधिकारी चलाते थे।

7. स्वाधीनता आंदोलन को आगे बढ़ाने में इस प्रकार के लेख की क्या भूमिका रही होगी?

उ०- इस प्रकार के लेखों से लोगों का मन त्याग, बलिदान और संघर्ष के लिए तैयार हो जाता होगा। यही भाव स्वतंत्रता आंदोलन को बढ़ाने में मददगार सिद्ध हुआ होगा।

PAGE NO.:
DATE: / /

निबंध लेखन

दिन : शनिवार
दिनांक : 6 जून, 2020

पर्यावरण संकट

- भूमिका
- पर्यावरण दिवस
- प्रमुख घटक
- असंतुलन की स्थिति
- प्राकृतिक आपदा
- निष्कर्ष

भूमिका :- पर्यावरण शब्द 'परि' और 'आवरण' के योग से बना है। 'परि' और 'आवरण' का सम्यक् अर्थ है - वह आवरण जो हमें चारों ओर से ढके हुए है।

पर्यावरण दिवस :- प्रदूषण के महासंकट से निपटने के लिए विश्वभर के राष्ट्रों की एक बैठक 5 जून, 1972 को स्टॉकहोम (स्वीडन) में हुई थी। इस दिवस की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 5 जून को हम 'पर्यावरण दिवस' मनाते हैं।

प्रमुख घटक :- प्रकृति एक विशाल परिस्थिति की तंत्र है, जिसमें दो प्रकार के प्रमुख घटक शामिल हैं :- जैविक और अजैविक। जैवमंडल का निर्माण भूमि, गगन, अग्नि, वायु तथा जल नामक पंचतत्वों से होता है।

PAGE NO.:
DATE: / /

● असंतुलन की स्थिति :- प्रकृति और मानव के बीच का मधुर सामंजस्य बढ़ती जनसंख्या एवं उपभोगी प्रवृत्ति के कारण घोर संकट में है। यह असंतुलन प्रकृति के विरुद्ध तीसरे विश्वयुद्ध के समान है।

विश्वभर में वनों का विनाश, अवैध एवं अंधाधुंध उत्खनन, कोयला, पेट्रोल, डीजल के उपयोग में अप्रत्याशित अभिवृद्धि और कल-कारखानों के नाम पर अप्रत्याशित विस्तार आदि ने मानव सभ्यता को महाविनाश के कगार पर ला खड़ा किया है। विश्व की प्रसिद्ध नदियाँ जैसे :- गंगा, यमुना, नर्मदा, राइन, सीन, मास आदि भयानक रूप से प्रदूषित हो चुके हैं। इनके निकट बसे लोगों का जीवन दूभर हो गया है।

● प्राकृतिक आपदा :- प्राकृतिक आपदाओं में बढ़ोतरी के कारण लाखों लोग शरणार्थी बन चुके हैं। विशेषकर अपने ही देश में बाँधों, कारखानों, भूकंप, अतिवृष्टि, अनावृष्टि का मूल कारण पर्यावरण असंतुलन है।

● निष्कर्ष :-

आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व ~~विश्व~~ के तमाम राष्ट्र जलवायु परिवर्तन के गंभीर खतरे को लेकर आपसी मतभेद भुला दें और अपनी-अपनी जिम्मेदारी ईमानदारीपूर्वक निभा